

बालूमाथ के चेताग गांव में अवैध हथियार लहराने के आरोप में दो गिरफ्तार

लातेहार: जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत चेताग गांव में अवैध हथियार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनंजय कुमार पांडेय (32 वर्ष) एवं तालेश्वर कुमार ठाकुर के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी सिक्सर और स्टील का एक फोलिडिंग धारदार चाकू बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 अक्टूबर 2026 को लातेहार के पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि बालूमाथ थाना क्षेत्र के चेताग गांव में अवैध हथियार लहराकर लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है। सूचना के आधार पर वरीय पुलिस पदाधिकारियों के निर्देशानुसार छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में बालूमाथ थाना कांड संख्या 117/26 के तहत आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस का इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अवैध हथियारों के इस्तेमाल को लेकर चर्चा है।

फादर बेनेदिक बारला पर जानलेवा हमले के विरोध में खूंदी में मौन जुलूस

खूंदी: आरसी मध्य विद्यालय, खूंदी के प्रधानाध्यापक फादर बेनेदिक बारला पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में शुक्रवार को ईसाई समुदाय के लोगों ने मौन जुलूस निकाला। जुलूस में हजारों की संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। हाथों में न्याय की मांग से संबंधित तख्तियां लेकर लोग शांतिपूर्ण तरीके से सड़कों पर उतरे और हमले में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की।

फादर बेनेदिक बारला पर मंगलवार की रात हमले की घटना सामने आई थी। बुधवार सुबह वह विद्यालय परिसर में गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले थे। उन्हें इलाज के लिए पहले सदर अस्पताल, खूंदी ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन ने मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल का निरीक्षण कर सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य पहलुओं की पड़ताल की। इस घटना को लेकर ईसाई समुदाय और स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। इससे पहले लोगों ने खूंदी के भगत सिंह चौक पर सड़क जाम कर विरोध जताया था और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। मौके पर पहुंचे उपायुक्त मो। जावेद हुसैन और पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने लोगों से बातचीत की, जिसके बाद सड़क जाम हटाया गया। शुक्रवार को निकाला गया मौन जुलूस कचहरी मैदान से शुरू होकर नेताजी चौक होते हुए लोयोला कॉलेज हॉस्टल मैदान तक जाने के लिए आयोजित किया गया। आयोजकों की ओर से जुलूस को शांतिपूर्ण रखने की अपील की गई थी। जुलूस में नारेबाजी और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं करने की बात कही गई थी। प्रतिभागियों ने तख्तियों के माध्यम से फादर बेनेदिक बारला के लिए न्याय और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। मौन जुलूस के जरिए लोगों ने घटना के प्रति अपना विरोध दर्ज करते हुए प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने की मांग की।

झारखंड के वरिष्ठ साहित्यकारों और युवा रचनाकारों को किया जायेगा सम्मानित

फुर्सो : झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति (तत्स्थ) ने खोरटा पत्रिका सहिया के संयुक्त तत्वावधान में स्मृति सम्मान-2026 की घोषणा की है। हिंदी साहित्य, क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं और झारखंड की समृद्ध कला-संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पांचवीं बार प्रदेश के पुरोधाओं की स्मृति में ये सम्मान प्रदान किए जाएंगे। 25 अक्तूबर को धनबाद स्थित बीबीएमकेयू में समारोह आयोजित कर चर्चनित साहित्यकारों, युवा रचनाकारों और कला-संस्कृति से जुड़े विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाएगा।

समितिके अध्यक्ष शिरोमणि महतो ने बताया कि झारखंड साहित्य अकादमी स्थापना संघर्ष समिति पिछले पांच वर्षों से राज्य में साहित्य, भाषा और संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रयासरत है। समितिके प्रयासों के फलस्वरूप झारखंड सरकार ने झारखंड राज्य साहित्य अकादमी, झारखंड राज्य संगीत नाटक अकादमी, झारखंड राज्य ललित कला अकादमी और झारखंड राज्य जनजातीय भाषा एवं साहित्य अकादमी के गठन का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष ऐसे वरिष्ठ और विशिष्ट साहित्यकारों को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने उत्कृष्ट साहित्य-सृजन के साथ अकादमी गठन के अभियान को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई है। सम्मान पाने वालों में वरिष्ठ साहित्यकारों के साथ युवा रचनाकार भी शामिल हैं। इन साहित्यकारों को मिलेगा स्मृति सम्मान: हजारीबाग के रतन वर्मा को समग्र साहित्यिक अवदान के लिए बिरसा मुंडा शिखर सम्मान दिया जाएगा। श्याम सुंदर महतो श्याम को क्षेत्रीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए विनोद बिहारी महतो स्मृति सम्मान प्रदान किया जाएगा।

रांची के महादेव टोणो को हिंदी एवं कुड़ुख भाषा में आदिवासी साहित्य को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करने में योगदान के लिए डॉ रामदयाल मुंडा स्मृति सम्मान मिलेगा। बोकारो के दयानंद बटोही को कथा-साहित्य के लिए राधाकृष्ण स्मृति सम्मान और धनबाद के अनवर शमीम को समकालीन कविता के लिए भारत यायावर स्मृति सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। डॉ लालदीप गोप को उनके कविता-संग्रह गांव के चौराहे पर के लिए कॉमरेड महेंद्र प्रसाद सिंह स्मृति सम्मान दिया जाएगा। जमशेदपुर की डॉ। निवेदिता श्रीवास्तव को छंद काव्य के लिए जनार्दन गोस्वामी व्य्थित स्मृति सम्मान तथा सविता सिंह मीरा को गीत एवं गजल के लिए भाषामित्र सम्मान प्रदान किया जाएगा। बोकारो के अजय यतीश को दलित साहित्य में योगदान के लिए रघुनाथ महतो स्मृति सम्मान मिलेगा। वहीं, बोकारो के प्रदीप कुमार दीपक को गीत-संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए भाषामित्र सम्मान और देवघर के फाल्गुनी मरीक कुशवाहा को कला-संस्कृति के लिए सहिया सम्मान दिया जाएगा।

युवा रचनाकारों को भी मिलेगा सम्मान: युवा वर्ग में रांची की सुश्रुव बरनवाल सीपी को छंद काव्य-सृजन एवं कविता पाठ के लिए जनार्दन गोस्वामी व्य्थित युवा सम्मान दिया जाएगा। गिरिडीह के भीम कुमार को हिंदी एवं खोरटा कविता के लिए शिवनाथ प्रमाणिक युवा सम्मान तथा बोकारो के डॉ पांडव महतो पुनःअरिअर को कुड़माली साहित्य एवं संस्कृति के लिए स्पृधिर महतो युवा सम्मान प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा नावाडीह के तारकेश्वर महतो गरीब को भाषा-संस्कृति के संवर्धन और संघर्ष समितिके अभियान को गति देने में योगदान के लिए भाषामित्र सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

चार सदस्यीय निर्णायक मंडल ने किया चयन: सम्मान के लिए साहित्यकारों और रचनाकारों का चयन चार सदस्यीय निर्णायक मंडल ने किया है।

झारखंड

जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की बढ़ी सैलरी बढ़ी अब हर महीने मिलेंगे 70 से 80 हजार

संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में कार्यरत जूनियर रेजिडेंट (एकेडमिक) डॉक्टरों को राहत देते हुए उनके मासिक मानदेय में बढ़ोतरी की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने इसकी स्वीकृति दे दी है। नई दरों के लागू होने से डॉक्टरों को हर महीने 15,500 रुपये से लेकर 17,000 रुपये तक का अतिरिक्त लाभ होगा। सरकार का मानना है कि इस निर्णय से डॉक्टरों का मनोबल बढ़ेगा और सरकारी चिकित्सा संस्थानों में मरीजों को बेहतर इलाज और स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

संशोधित दरों से प्रतिमाह कितना मिलेगा लाभ: जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की अलग-अलग श्रेणियों के लिए नई दरें निर्धारित की गई हैं। प्रथम वर्ष में कार्यरत डॉक्टरों का मानदेय 70,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है, जिससे उन्हें हर महीने 15,500 रुपये अतिरिक्त मिलेंगे। द्वितीय वर्ष के डॉक्टरों का मानदेय अब 75,000 रुपये प्रतिमाह होगा, जो पहले की तुलना में 16,500 रुपये अधिक है। तृतीय वर्ष के डॉक्टरों को अब 80,000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे, जिससे उनकी आय में 17,000 रुपये प्रतिमाह का इजाफा होगा। इस फैसले से मेडिकल कॉलेजों में तैनात डॉक्टरों का आर्थिक राहत मिलेगी।



रिनपास के डीएनबी डॉक्टरों के लिए विभागीय पहल: सरकारी अस्पतालों के जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों के अलावा रांची के काले

स्थित रिनपास में कार्यरत डीएनबी प्रशिक्षणार्थियों के मानदेय पुनरीक्षण को लेकर भी प्रक्रिया शुरू की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने

सेल में टेंडर प्रोसेसिंग, प्रोक्योरमेंट व कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संवाददाता

रांची : 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह अभियान 2026' के तहत, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने रांची स्थित मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में टेंडर प्रोसेसिंग, प्रोक्योरमेंट और कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट (निविदा प्रक्रिया, खरीद और अनुबंध प्रबंधन) पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम को सेल के सीएमएमजी और कॉर्पोरेट विजिलेंस (सतर्कता विभाग) ने संयुक्त रूप से तैयार किया था। इसका उद्देश्य ईडेंटिंग, खरीद और अनुबंध निष्पादन से जुड़े अधिकारियों की समझ को मजबूत करना, तथा व्यावसायिक प्रक्रियाओं में कार्यकुशलता, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देना था।

एमटीआई के ईडी।(एचआर-एल एंडडी) संजय धर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ नेतृत्व, रिसोर्स पर्सन (विशेषज्ञों) और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने संगठनात्मक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 'क्षमता निर्माण' और निरंतर सीखने के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न इंटिग्रेटेड स्टील प्लांट (एकीकृत इस्पात संंत्रों) के ए1-ए5 ग्रेड के 26 अधिकारियों ने



भाग लिया। इनमें मुख्य रूप से वे अधिकारी शामिल थे, जिन्हें खरीद, कॉन्ट्रैक्ट सेल, ईडेंटिंग और निष्पादन कार्यों का अनुभव अपेक्षाकृत कम था। इनके अलावा, पांच रिसोर्स पर्सन भी मौजूद थे। इस पहल का लक्ष्य प्रक्रियाओं में मौजूद कमियों को दूर करना, अनावश्यक गलतियों और देरी को कम करना, तथा सेल में खरीद और अनुबंध प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय लेने के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना है।

अपने संबोधन में, सेल के सीएमडी डॉ। अशोक कुमार पांडा ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यावसायिक समझ केवल खरीद और वित्त विभागों तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि योजना बनाने, परियोजना निष्पादन और संचालन से जुड़े सभी विभागों तक

इसका विस्तार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों में व्यावसायिक सूझबूझ होनी चाहिए और उन्हें उन प्रक्रियाओं की समझ होनी चाहिए जो उत्पादन और व्यावसायिक प्रदर्शन में सहायक होती हैं। उन्होंने युवा अधिकारियों के विकास के लिए व्यवस्थित प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुभव के महत्व पर भी जोर दिया, जिसमें विभिन्न विभागों के बीच रोटेशन के सेल के सीवीओ दिलीप कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि नियमित प्रशिक्षण और ज्ञान के प्रसार के माध्यम से इस पहल का लाभ पूरे संगठन तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित शिकायतों के समाधान के लिए प्रबंधन स्तर पर उचित तंत्र होने चाहिए, ताकि समस्याओं का निपटारा सही स्तर पर ही हो सके और उन्हें

रिंग सेरेमनी में पहुंचे विधायक अमित महतो



मुरी: सिल्ली विधायक अमित महतो ने नव जोड़े के रिंग सेरेमनी में पहुंच कर उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रामपुर सिल्ली के सुप्रसिद्ध व्यवसायी सुयोग साहु की द्वितीय पुत्री पूजा रिंग सेरेमनी शंकर के साथ संपन्न हुई। जिसमें समाज के गण्यमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया। एक महीने पहले इन्होंने अपने सुपुत्र राहुल की रिंग सेरेमनी बुण्डू में आयोजित की थी।

पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर को मिला जीआई टैग, कारीगरों को मिलेगी नई पहचान

संवाददाता

रांची : नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूपएसआरएल) रांची ने झारखंड के पारंपरिक वाद्य यंत्र मांदर के लिए भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण प्राप्त किया है। विश्वविद्यालय अपनी डीपीआईआईटी आईपीआर चेयर के माध्यम से कानूनी विशेषज्ञता, सांस्कृतिक संरक्षण और स्थानीय उत्पादक समुदायों के हितों को परस्पर जोड़ने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। इसका मकसद विशेष भौगोलिक क्षेत्रों, स्थानीय परंपराओं और समुदायों से जुड़े पारंपरिक उत्पादों को उपयुक्त कानूनी संरक्षण प्रदान करना है। मांदर को जीआई पंजीकरण

मिलना राज्य की सांस्कृतिक विरासत, समृद्ध लोक परंपराओं, लोकसंगीत और सामुदायिक जीवन के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह जीआई संरक्षण उत्पाद की भौगोलिक पहचान को स्थापित करने, पारंपरिक विशेषताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पारंपरिक कारीगरों तथा उत्पादक समुदायों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में मदद करेगा। मांदर के जीआई पंजीकरण की प्रक्रिया: रायडीह मांदर प्रोड्यूसर कंपनी लि। ने मांदर के लिए जीआई आवेदन सितंबर 2021 को दाखिल किया था। इस प्रक्रिया में विश्वविद्यालय ने अनुसंधान, दस्तावेजीकरण, कानूनी तथा



प्रक्रियागत सहयोग, संबंधित हितधारकों के साथ समन्वय और जीआई रजिस्ट्री से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण संस्थागत एवं सहयोगात्मक भूमिका निभाई। बौद्धिक संपदा अधिकार विशेषज्ञ एवं विश्वविद्यालय के विजिटिंग

फैकल्टी डॉ। सत्यदीप सिंह ने भी आवेदन से संबंधित दस्तावेजीकरण, प्रक्रियागत आवश्यकताओं, जीआई रजिस्ट्री के समक्ष प्रस्तुतीकरण और सुनवाई से जुड़े कार्यों में अपना अहम योगदान दिया। मांदर

रांची, शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026

2

रांची के जैविक उद्यान में मोनी ने दिया हिप्पोपोटेमस को जन्म

रिनपास के ब्रॉड स्पेशियलिटी और पोस्ट-डिप्लोमा डीएनबी डॉक्टरों के लिए न्यूनतम मानदेय दरें तय करने का प्रस्ताव तैयार किया है। विभागीय प्रस्ताव के अनुसार ब्रॉड स्पेशियलिटी डीएनबी: प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रथम वर्ष में 43,000 रुपये, द्वितीय वर्ष में 45,000 रुपये और तृतीय वर्ष में 47,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय की सिफारिश की गई है। वहीं पोस्ट-डिप्लोमा डीएनबी डॉक्टरों के लिए प्रथम वर्ष में 45,000 रुपये और द्वितीय वर्ष में 47,000 रुपये प्रतिमाह देने का प्रावधान है। हालांकि विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मानदेय पुनरीक्षण के प्रस्ताव पर कार्रवाई होने का अर्थ यह नहीं है कि नई दरों से

भुगतान शुरू हो गया है। स्वास्थ्य तंत्र में सुधार मकसद: स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने कहा कि डॉक्टरों के मान-सम्मान में किसी तरह की कटौती नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मकसद केवल मानदेय बढ़ाना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य तंत्र में सुधार करना है। मंत्री के अनुसार डॉक्टर दिन-रात मरीजों की सेवा करते हैं, इसलिए उन्हें उचित सम्मान, प्रोत्साहन एवं बेहतर कार्य-परिस्थितियां उपलब्ध कराना जरूरी है। सरकार अस्पतालों में आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता बढ़ाने, विशेषज्ञ डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने और मरीजों को बेहतर उपचार देने की दिशा में काम कर रही है।

रांची के जैविक उद्यान में मोनी ने दिया हिप्पोपोटेमस को जन्म



संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान में गुरुवार सुबह खुशखबरी सामने आई। उद्यान की मादा हिप्पोपोटेमस मोनी ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया है। नन्हें हिप्पोपोटेमस के जन्म से उद्यान में इस प्रजाति के जीवों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। इस नए सदस्य के आने से उद्यान प्रबंधन में खुशी का माहौल है। प्रबंधन की ओर से नवजात और उसकी मां के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उद्यान में ही हुआ था मोनी का जन्म, लालू और लिली की है संतान: भगवान बिरसा जैविक उद्यान प्रबंधन के अनुसार, मादा हिप्पोपोटेमस मोनी का जन्म भी इसी उद्यान में हुआ था। उसका जन्म 20 जनवरी 2023 को हुआ था। मोनी उद्यान में रहने वाले हिप्पोपोटेमस लालू और लिली की संतान है। उद्यान परिसर में जन्म लेने और यहीं पलने-बढ़ने वाली मोनी अब खुद मां बन गई है। उसके बच्चे के जन्म को उद्यान प्रबंधन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के

रूप में देख रहा है। वन्यजीव संरक्षण और सफल प्रजनन का उदाहरण: भगवान बिरसा जैविक उद्यान के निदेशक जम्बर सिंह ने नन्हें हिप्पोपोटेमस के जन्म को पूरे उद्यान के लिए खुशी का अवसर बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि वन्यजीव संरक्षण और सफल प्रजनन का अच्छा उदाहरण है। उन्होंने यह भी बताया कि उद्यान में रहने वाले सभी वन्यजीवों की उचित देखभाल और उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण मिल सके। नवजात और मां मोनी के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि उन्हें सुरक्षित वातावरण मिल सके। नवजात और मां मोनी के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जतरा धूमधाम से संपन्न, खोड़हा नृत्य ने मन मोहा



खोड़हा नृत्य समूहों ने अपनी प्रस्तुति दी। पारंपरिक वेशभूषा और लोकनृत्य के माध्यम से कलाकारों ने स्थानीय संस्कृति की झलक पेश की। कमेटी की ओर से प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।

झूलों और मिठाई की दुकानों पर उमड़ी भीड़: जतरा में बच्चों और युवाओं ने विभिन्न झूलों का आनंद

लिया। वहीं, मिठाई और अन्य सामान की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ लगी रही। मेले में लोगों ने खरीदारी करने के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। पूरे आयोजन में उत्साह का माहौल रहा। अतिथियों और आयोजन समिति की रही अहम भूमिका: कार्यक्रम में मुखिया कइली उरांव, गांव के

पहान टूनु पहान और बिरसा उरांव अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजन को सफल बनाने में राजदीप तिवारी, कृष्णा तिवारी, रामदीप तिवारी, मुकेश तिवारी, कुलदीप तिवारी, लक्की, आकाश, हरी मुरारी, अनूप और रोशन सहित अन्य लोगों की भूमिका रही। सुरक्षा के लिए की गयी थी बैरिकेडिंग: जतरा में उमड़ी भीड़ को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिसकर्मों और कमेटी के सदस्य तैनात रहे। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए चट्टी-रांची और चट्टी-कैरो सड़क पर बैरिकेडिंग की गयी थी। सुरक्षा व्यवस्था के बीच ऐतिहासिक जतरा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

झारखंड के लोकसंगीत और सामुदायिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। जीआई पंजीकरण मिलने से इससे जुड़े पारंपरिक कारीगरों और उत्पादक समूहों की पहचान को कानूनी मजबूती प्राप्त होगी। पैटकर पेंटिंग और देवघर पेड़ा प्रयास: मांदर की इस सफलता के बाद विश्वविद्यालय झारखंड के दो अन्य विशिष्ट पारंपरिक उत्पादों के जीआई पंजीकरण के लिए भी सक्रियता से कार्य कर रहा है। इनमें पूर्वी सिंहभूम की पैटकर पेंटिंग और देवघर का प्रसिद्ध पेड़ा शामिल है। पैटकर पेंटिंग राज्य की पारंपरिक कलात्मक अभिव्यक्ति और सांस्कृतिक धरोहर का अभिन्न अंग है।

आवेदकों ने पैटकर पेंटिंग ऑफ ईस्ट सिंहभूम के लिए जीआई आवेदन संख्या 712, 9 अक्तूबर 2020 को दाखिल किया था। विश्वविद्यालय इस आवेदन से संबंधित अनुसंधान, दस्तावेजीकरण, कानूनी अनुवर्ती कार्रवाई और प्रक्रियागत आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। इसके साथ ही, देवघर से जुड़े पारंपरिक खाद्य उत्पाद देवघर पेड़ा के लिए जीआई आवेदन संख्या 1043, 10 जनवरी 2023 को दाखिल हुआ था। यह आवेदन वर्तमान में जीआई रजिस्ट्री की परीक्षण एवं पंजीकरण संबंधी प्रक्रियाओं के अधीन है, जिसमें विश्वविद्यालय आवश्यक अनुवर्ती प्रक्रियाएं पूरी कर रहा है।



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

गैंगस्टरों का खौफ

देश में कानून-व्यवस्था के समांतर अपराध की सत्ता चलाने वाले गिरोहों का इतिहास पुराना रहा है। बेशक समय के साथ अपराधी संगठनों के नामकरण और अपराध के तौर-तरीके जरूर बदले हों, लेकिन उनका खौफ गाहे-बगाहे बना रहा। कभी मुंबई हाजी मस्तान और दाऊद से लेकर छोटे राजन के गैंगवार की साक्षी रही है। अब वहां नये सिरे से गैंगस्टरों का दखल बढ़ रहा है। रविवार को बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्राफ़ पर हुआ हमला इसका हालिया उदाहरण है। जो बताता है कि गैंगस्टर कैसे कानून व्यवस्था को खुलेआम चुनौतियां दे रहे हैं। पहले भी सलमान खान व रोहित शेट्टी जैसे सितारे और फिल्म निमातों गैंगस्टरों के निशाने पर रहे हैं। जो बताता है कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अब भी संगठित अपराध कानून व्यवस्था के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। यह साराहनीय है कि मुंबई पुलिस की खुफिया सूचनाओं की मदद से कोर्टा रेलवे स्टेशन से तीन संदिग्ध हमलावरों को राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन अभियुक्तों की गिरफ्तारियों से टाइगर श्राफ़ पर हुए हमले के पीछे के आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिल सकेगी। निश्चय ही इस दिशा में कोशिशें तेज करने की जरूरत है। मुंबई पुलिस के लिये ये गिरफ्तारियां और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि इससे पहले कई फिल्मी सितारों को गैंगस्टरों की तरफ से धमकियां दी जाती रही हैं। जिनमें फिल्म निमातों रोहित शेट्टी और फिल्म स्टार सलमान खान को डराने के लिये भी गोलीबारी की घटनाएं विगत में हो चुकी हैं। निस्संदेह, इन मामलों को महज धमकियों और जबरन वसूली तथा हिंसा की इक्का-दुक्का घटनाओं के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में ये समाज में लगातार गहरी होती जाती एक गंभीर समस्या के लक्षण हैं। यदि समय रहते ऐसे गैंगस्टरों की कमर नहीं तोड़ी जाती तो वे समाज में रक्तबीजों की तरह लगातार बढ़ते जाएंगे। उनकी प्रतिद्वंद्विता का खमियाजा कालांतर कानून-व्यवस्था बाधित होने से समाज को ही भुगाना पड़ेगा। दरअसल, पुलिस की शुरूआती जांच से पता चला है कि इस हमले के संदिग्ध हमलावरों में से एक का संबंध लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कथित साथी से है। यहां उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आए लॉरेंस बिश्नोई साल 2015 से जेल में बंद है। ऐसे में सवाल उठता है कि कड़ी पुलिस सुरक्षा में जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई का नाम गाहे-बगाहे विभिन्न अपराधों में सॉल्यता के रूप में कैसे उछाला जाता है? भारत ही नहीं, उसके साथी यूरोप व अमेरिका में सक्रिय बताये जाते हैं। अमेरिका में उसे अंतर्राष्ट्रीय गैंगस्टर गिरोह के रूप में चिन्हित किया जाता है। कुछ समय पहले उसके करीबी सहयोगियों में से एक, करमवीर सिंह को कनाडा से डिपोट किया गया था। पिछले महीने पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। वहीं दूसरी ओर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को नवंबर 2025 में अमेरिका से डिपोट किया गया था। उसके उपरांत नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल, यह मामला आपराधिक गिरोहों और आतंकी समूहों के बीच सांठगांठ से जुड़ा बताया जाता है। बहरहाल, टाइगर पर हमले वाली घटना सार्वजनिक सुरक्षा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अगर हमलावर मुंबई के एक बेहद भौड़-भाड़ वाले इलाके में किसी सेलिब्रिटी पर गोली चलाकर फरार हो सकते हैं और अपराध करने के बाद राज्य की सीमा से बाहर चले जाते हैं, तो यह सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल है। यह घटनाक्रम खुफिया जानकारी साझा करने की व्यवस्था और पुलिस की एहतिायती कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है। आपराधिक गिरोहों को कानूनी व्यवस्था की खामियों का लाभ उठाने से रोकने के लिये देश के विभिन्न राज्यों के बीच लगातार सहयोग होना जरूरी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सूचना को लेकर तालमेल उतना ही जरूरी है, क्योंकि अपराधी गिरोह बेखौफ होकर सीमाओं के पार भी अपनी गतिविधियां बेरोक-टोक चला रहे हैं। निश्चित रूप से बॉलीवुड सितारों और अन्य विशिष्ट लोगों को चाकचौबंद सुरक्षा मिलनी ही चाहिए। लेकिन हर आम आदमी को भी सुरक्षा पाने का हक है। निस्संदेह, कानून लागू करने वाली एजेंसियों को चुनौती देने वाले इन गिरोहों की कमर तोड़ना राज्य सरकारों की प्राथमिकता होनी चाहिए।

बच्चे और इंटरनेट

ऐसे दौर में जब आस्ट्रेलिया-फ्रांस व अन्य विकसित देशों में सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच सीमित करने के कानून बने हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच उनका मौलिक अधिकार है। इस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है। कोर्ट ने माना कि इंटरनेट तक पहुंच और इस्तेमाल करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ-साथ अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत निष्पत्तिरि ह्वावाक २ और अभिव्यक्ति की आजादी ङ्ग में ही निहित है। दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी चंदन की पीठ इंटरनेट के जरिये बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने के उपायों पर विमर्श कर रही थी। इसी बीच कई देशों द्वारा एक निर्धारित उम्र तक के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने का मामला सामने आया। भारत में भी इस तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। अदालत का मानना था कि हम बच्चों से जुड़ी ऐसी चिंताओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन इंटरनेट पर प्रतिबंध इसका न्यायेचित विकल्प नहीं है। शीर्ष अदालत ने माना कि इस माध्यम से बच्चों को दूर रखकर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। अदालत का तर्क था कि बच्चों की आजादी और सुरक्षा एक दूसरे के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए। अदालत का मानना था कि नई पीढ़ी के बच्चों के लिये इंटरनेट सीखने का माध्यम भी है। दूरदर्शन के इलाकों में जानकारी पाने का एकमात्र जरिया होता है। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का गंभीरता से संज्ञान लिया कि देश में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील सामग्री रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लापरवाही दिखा रहे हैं। अदालत का मानना था कि सभी हितधारक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को हानि पहुंचाने वाली कोई भी सामग्री प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से उपलब्ध न हो सके। यह सामग्री न अपलोड की जाए और न ही उसे प्रोत्साहन दिया जाए। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जतायी कि मध्यस्थों व सोशल मीडिया मंचों ने वर्ष 2024 में जारी किए गए कोर्ट के निर्देशों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। साथ ही पीठ का मानना था कि आज इंटरनेट शिक्षा, सूचना और सामाजिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बना है। ऐसे में यदि प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वे निष्प्राभावी होंगे, बल्कि नुकसान पहुंचाने वाले भी हो सकते हैं। इसका नुकसान यह हो सकता है कि बच्चे ऐसी ऑनलाइन जगहों को सर्च करना शुरू कर सकते हैं, जो नियम-कानून कम होने की वजह से ज्यादा घातक हो सकती हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि उसकी टिप्पणी का यह अर्थ नहीं निकाला जाए कि उम्र के आधार पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। पीठ के मुताबिक-हमारी धारणा है कि ऑनलाइन सुरक्षा के लिये कुछ सुरक्षा उपाय होने जरूरी हैं। अभिभावकों के पास उपलब्ध सामग्री की निगरानी की भी व्यवस्था नहीं चाहिए। इसके अंतर्गत ऐसी व्यवस्था हो सकती है, जिसमें माता-पिता के मार्गदर्शन,सहमति और निगरानी में बच्चे सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर सकें।

भारत

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संघवाद का अर्थ केवल केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन नहीं बल्कि विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं, सांस्कृतिक

पहचान और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का सम्मान करना भी है। देश के सभी क्षेत्रों पर एक समान प्रशासनिक व्यवस्था लागू करने के बजाय उनकी ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप अलग-अलग स्तर की स्वायत्तता प्रदान करना असममित संघवाद कहलाता

डॉ. सत्यवान सौरभ

है। भारतीय संविधान में इसकी अभिव्यक्ति पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों के लिए विशेष प्रावधानों, छठी अनुसूची तथा विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई गई व्यवस्थाओं में दिखाई देती है। लद्दाख की स्वायत्तता और संवैधानिक संरक्षण की मांग इसी व्यापक संवैधानिक दृष्टिकोण की प्रासंगिकता को रेखांकित करती है।

अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन के बाद लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। इससे क्षेत्र का प्रशासनिक स्वरूप तो बदला लेकिन इसके साथ ही स्थानीय लोगों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व, भूमि अधिकारों, सरकारी नौकरियों, सांस्कृतिक पहचान और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न भी अधिक मुखर हुए। वर्तमान व्यवस्था में लद्दाख के पास अपनी निर्वाचित विधानसभा नहीं है। प्रशासन का संचालन उपराज्यपाल के माध्यम से होता है, जबकि लेह और कारगिल की पर्वतीय विकास परियटें स्थानीय शासन में भूमिका निभाती हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक पुनर्गठन के साथ स्थानीय जनता की

भारत

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण भौगोलिक विस्तार वाले देश में बुनियादी ढाँचे का संतुलित विकास हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। एक समय था जब हवाई यात्रा को केवल संपन्न वर्ग की विलासिता माना जाता था और देश का उड्डयन नेटवर्क मोटे शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद तक सीमित था। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के तथा दूरदराज के सीमावर्ती व पहाड़ी इलाके देश के आर्थिक मानचित्र से एक तरह से कटे हुए थे। इस असंतुलन को समाप्त करने और 'हवाई चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाई यात्रा कराने' के संकल्प के साथ देश में 21 अक्टूबर 2016 को 'क्षेत्रीय संपर्क योजना' (उड़े देश का आम

भारत

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण भौगोलिक विस्तार वाले देश में बुनियादी ढाँचे का संतुलित विकास हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। एक समय था जब हवाई यात्रा को केवल संपन्न वर्ग की विलासिता माना जाता था और देश का उड्डयन नेटवर्क मोटे शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद तक सीमित था। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के तथा दूरदराज के सीमावर्ती व पहाड़ी इलाके देश के आर्थिक मानचित्र से एक तरह से कटे हुए थे। इस असंतुलन को समाप्त करने और 'हवाई चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाई यात्रा कराने' के संकल्प के साथ देश में 21 अक्टूबर 2016 को 'क्षेत्रीय संपर्क योजना' (उड़े देश का आम

भारत

नागरिक) की नींव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे नागरिकों को नौव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे नागरिकों को नौव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे नागरिकों को नौव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है।

मंदिर में आधे गणेश और आधे हनुमान की मूर्ति

बता दें कि मध्य कैलाश मंदिर अपनी अनोखी प्रतिमा के लिए काफी ज्यादा फेमस है। यहाँ मंदिर में स्थापित आधे गणेश और आधे हनुमान जी की मूर्ति को आद्यंत प्रभु के रूप में जाना जाता है।

भारत

लोकतांत्रिक भागीदारी और निर्णय लेने की क्षमता भी पर्याप्त रूप से मजबूत हुई है ?

लद्दाख की मांगों को समझने के लिए उसके भूगोल और समाज की विशिष्टताओं पर ध्यान देना आवश्यक है। विशाल पर्वतीय क्षेत्र, सीमित कृषि योग्य भूमि, जलवायु परिवर्तन की तीव्र चुनौतियां, नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकी और विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएं इसे देश के अन्य क्षेत्रों से अलग बनाती हैं। यहां की आबादी का बड़ा हिस्सा जनजातीय समुदायों से संबंधित है। भोटी और पुरगी जैसी भाषाएं, पारंपरिक सामुदायिक संस्थाएं, धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत तथा स्थानीय जीवनशैली इस क्षेत्र की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यदि विकास की नीतियां स्थानीय परिस्थितियों और समुदायों की भागीदारी को पर्याप्त महत्व दिए बिना बनाई जाती हैं तो आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक संरक्षण के बीच असंतुलन पैदा हो सकता है। यहीं असममित संघवाद की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इसका मूल सिद्धांत यह है कि राष्ट्रीय एकता बनाए रखने के लिए हर क्षेत्र को एक जैसी संवैधानिक या प्रशासनिक व्यवस्था में बांधना अनिवार्य नहीं है। आवश्यकतानुसार अलग-अलग क्षेत्रों को विशिष्ट अधिकार और संस्थागत संरक्षण देकर लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाया जा सकता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 371अ नागालैंड की धार्मिक-सामाजिक परंपराओं, प्रथागत कानूनों और भूमि-संसाधनों से जुड़े कुछ विशेष संरक्षणों का उदाहरण है। इसी प्रकार छठी अनुसूची असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के निर्दिष्ट जनजातीय क्षेत्रों में स्वायत्त जिला एवं क्षेत्रीय परिषदों की व्यवस्था करती है। हालांकि इन प्रावधानों की अपनी अलग संवैधानिक सीमाएं हैं, फिर भी वे बताते हैं कि भारत का संघवाद स्थानीय विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता रखता है।

भारत

इन 10 वर्षों की प्रमुख सांख्यिकीय उपलब्धियों के तहत देश के कोने–कोने में कुल 687 क्षेत्रीय मार्गों पर विमान परिचालन शुरू हुआ और कुल 95 नए एयरोड्रोम शुरू किए गए, जिनमें 17 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम शामिल हैं। उड़ानों और यात्रियों की संख्या की दृष्टि से अब तक इस योजना के तहत 3.68 लाख से अधिक उड़ानें संचालित होने का दावा किया गया है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण भौगोलिक विस्तार वाले देश में बुनियादी ढाँचे का संतुलित विकास हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। एक समय था जब हवाई यात्रा को केवल संपन्न वर्ग की विलासिता माना जाता था और देश का उड्डयन नेटवर्क मोटे शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद तक सीमित था। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के तथा दूरदराज के सीमावर्ती व पहाड़ी इलाके देश के आर्थिक मानचित्र से एक तरह से कटे हुए थे। इस असंतुलन को समाप्त करने और 'हवाई चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाई यात्रा कराने' के संकल्प के साथ देश में 21 अक्टूबर 2016 को 'क्षेत्रीय संपर्क योजना' (उड़े देश का आम

पर्वतीय राज्यों में हवाई संपर्क का नया अध्याय शुरू हुआ। इसके विस्तार एवं नवाचार में साल 2018झ2021 में इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों, दूरदराज के द्वीपों, वाटर एयरोड्रोम (सी-प्लेन) और हेलीकॉप्टर सेवाओं को शामिल कर उड़ान 2.0, 3.0 और 4.0 का दावरा बढ़ाया गया। यदि आँकड़ों पर गौर किया जाए तो साल 2014 तक पूरे देश में केवल 74 चालू हवाई अड्डे थे। लेकिन 'उड़ान' योजना के लागू होने के बाद अगले दस वर्षों में यह संख्या दोगुने से भी अधिक होकर 166 तक पहुँच गई है।

इन 10 वर्षों की प्रमुख सांख्यिकीय उपलब्धियों के तहत देश के कोने–कोने में कुल 687 क्षेत्रीय मार्गों पर विमान परिचालन शुरू हुआ और कुल 95 नए एयरोड्रोम शुरू किए गए, जिनमें 17 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम शामिल हैं। उड़ानों और यात्रियों की संख्या की दृष्टि से अब तक इस योजना के तहत 3.68 लाख से अधिक उड़ानें संचालित होने का दावा किया गया है। देश के अलग-अलग भागों में इसके चार प्रत्यक्ष उदाहरण देखे जाएं तो इसमें पुष्पा (बिहार) यानी कोसी-सीमांचल का आर्थिक सुगंदय 2025 से पूर्व पूर्णगा, अररिया, किशनगंज और कटिहार जैसे जिलों के निवासियों को हवाई यात्रा के लिए 200 किलोमीटर दूर बागडोगरा जाना पड़ता था। पटना और कोलकाता जाने में 8 से 10 घंटे लगते थे। 2025 में चालू हुआ 2.8 किलोमीटर लंबा रनवे वाला पूर्णिया हवाई अड्डा (जो बिहार का सबसे लंबा रनवे है) अब ए320 और बी737 जैसे बड़े बोइंग विमानों को संचालने में सक्षम है।

इसी प्रकार तेजू (अरुणाचल प्रदेश) में हवाई अड्डा 2021 में शुरू हुआ। इससे पूर्व गुवाहाटी पहुँचने में स्थानीय लोगों को 10 से 12 घंटे का

भारत

लद्दाख के संदर्भ में छठी अनुसूची के अंतर्गत संरक्षण की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे स्थानीय समुदायों को भूमि, संस्कृति और परंपरागत संस्थाओं से जुड़े विषयों पर अधिक प्रभावी भूमिका मिल सकती है। जनजातीय स्वायत्तता का उद्देश्य केवल सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करना नहीं बल्कि समुदायों को अपने सामाजिक और आर्थिक भविष्य से संबंधित निर्णयों में भागीदार बनाना भी है।

स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप संस्थागत अधिकार मिलने से बाहरी दबावों के बीच पारंपरिक आजीविकाओं और सामुदायिक संसाधनों की रक्षा करने में सहायता मिल सकती है।

भूमि और रोजगार की सुरक्षा भी इस मांग का महत्वपूर्ण आधार है। लद्दाख में भूमि केवल आर्थिक संपत्ति नहीं, बल्कि आजीविका, सांस्कृतिक निरंतरता और सामुदायिक अस्तित्व से जुड़ा विषय है। पर्यटन, आधारभूत संरचना, ऊर्जा परियोजनाओं और अन्य संस्थागत गतिविधियों के विस्तार के बीच स्थानीय निवासियों की आशंकाओं को दूर करना आवश्यक है। संवैधानिक सुरक्षा और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था स्थानीय भूमि अधिकारों की रक्षा कर सकती है तथा सरकारी रोजगार में स्थानीय युवाओं के अवसरों को मजबूत कर सकती है। इससे विकास के लाभों का अधिक न्यायसंगत वितरण संभव होगा।

लद्दाख की पारिस्थितिकी के संदर्भ में भी स्थानीय स्वायत्तता का विशेष महत्व है। हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियरों का पिघलना, जल संकट, अनियमित वर्षा और पर्यावरणीय दबाव पहले से गंभीर चुनौतियां हैं। अनियंत्रित पर्यटन और अव्यवस्थित निर्माण इन समस्याओं को और बढ़ा सकते हैं। स्थानीय समुदायों को योजना निर्माण, जल प्रबंधन, चरागाहों के संरक्षण और पर्यावरणीय प्रभावों के आकलन में वास्तविक अधिकार दिए जाएं तो विकास की नीतियां अधिक टिकाऊ बन सकतें हैं। इस दृष्टि से स्वायत्तता केवल राजनीतिक मांग नहीं बल्कि पर्यावरणीय न्याय

भारत

और भावी पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा प्रश्न भी है। हालांकि लद्दाख को अधिक स्वायत्तता प्रदान करने की राह चुनौतियों से मुक्त नहीं है। यह क्षेत्र चीन और पाकिस्तान से लगी संवेदनशील सीमाओं के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। रक्षा संबंधी आवश्यकताओं, सीमावर्ती आधारभूत संरचना और रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी व्यवस्था का निर्माण करना होगा। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों को परस्पर विरोधी मानना उचित नहीं है। स्थानीय आबादी का विश्वास, सहयोग और भागीदारी सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिरता को मजबूत कर सकते हैं।

संवैधानिक दृष्टि से भी सावधानी आवश्यक है। छठी अनुसूची वर्तमान में लद्दाख पर लागू नहीं होती इसलिए इसे लागू करने के लिए उपयुक्त संवैधानिक प्रक्रिया और स्पष्ट कानूनी व्यवस्था की आवश्यकता होगी। अनुच्छेद 371 के अंतर्गत किसी विशेष प्रभावधान की मांग पर भी संवैधानिक व्यवहार्यता, आवश्यक संशोधनों और संबंधित प्रावधानों की प्रकृति के आधार पर विचार करना होगा। केवल विशेष दर्जे की घोषणा पर्याप्त नहीं होगी; उसके साथ स्पष्ट अधिकार, जवाबदेही, वित्तीय संसाधन और प्रभावी संस्थागत व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। इसके अतिरिक्त, लेह और कारगिल की सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं में अंतर समझना जरूरी है। किसी भी स्वायत्त व्यवस्था को दोनों क्षेत्रों के लिए न्यायसंगत प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना चाहिए। यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में किसी एक क्षेत्र या समुदाय का प्रभाव अधिक हो जाता है तो स्वायत्तता का उद्देश्य ही कमजोर पड़ सकता है। इसी तरह, पर्याप्त वित्तीय संसाधनों और प्रशासनिक अधिकारों के अभाव में स्थानीय संस्थाएं केवल नाममात्र की स्वायत्तता तक सीमित रह सकती हैं।

भारत

इन 10 वर्षों की प्रमुख सांख्यिकीय उपलब्धियों के तहत देश के कोने–कोने में कुल 687 क्षेत्रीय मार्गों पर विमान परिचालन शुरू हुआ और कुल 95 नए एयरोड्रोम शुरू किए गए, जिनमें 17 हेलीपोर्ट और 2 वाटर एयरोड्रोम शामिल हैं। उड़ानों और यात्रियों की संख्या की दृष्टि से अब तक इस योजना के तहत 3.68 लाख से अधिक उड़ानें संचालित होने का दावा किया गया है।

भारत

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण भौगोलिक विस्तार वाले देश में बुनियादी ढाँचे का संतुलित विकास हमेशा से एक बड़ी चुनौती रहा है। एक समय था जब हवाई यात्रा को केवल संपन्न वर्ग की विलासिता माना जाता था और देश का उड्डयन नेटवर्क मोटे शहरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद तक सीमित था। द्वितीय और तृतीय श्रेणी के तथा दूरदराज के सीमावर्ती व पहाड़ी इलाके देश के आर्थिक मानचित्र से एक तरह से कटे हुए थे। इस असंतुलन को समाप्त करने और 'हवाई चप्पल पहनने वाले आम नागरिक को हवाई यात्रा कराने' के संकल्प के साथ देश में 21 अक्टूबर 2016 को 'क्षेत्रीय संपर्क योजना' (उड़े देश का आम

ओ.पी. पाल

नागरिक) की नींव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे नागरिकों को नौव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत क्षेत्रीय मार्गों को किफायती और टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 2016 को आरसीएस-उड़ान की नींव रखी थी। प्रथम व्यावसायिक उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के बीच पहली क्षेत्रीय उड़ान का औपचारिक उद्घाटन हुआ, जिससे नागरिकों को नौव रखी गई। इस उड़ान योजना ने साबित कर दिया कि यदि सही दृष्टि और ढांचागत रणनीति हो तो उड्डयन क्षेत्र केवल बड़े शहरों का विशेषाधिकार नहीं रहता। इस योजना ने 21 अक्टूबर 2026 को अपने 10 वर्ष पूरे करते हुए न केवल भारत के नागरिक उड्डयन परिदृश्य को बदल दिया है बल्कि इसे दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बनाने में मजबूत भूमिका निभाई है।

मै

आप सभी लोगों ने भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती के अर्धनारीशंकर स्वरूप के बारे में तो सुना, पढ़ा और देखा जरूर होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में एक ऐसा अनोखा मंदिर है, जहां पर आधे हनुमान और आधे गणेश जी विराजते हैं। दरअसल, तमिलनाडु के नादुककयिलार्ई के नाम से प्रसिद्ध मध्य कैलाश मंदिर है। जोकि दक्षिण चेन्नई में स्थित हिंदू मंदिर है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस अनोखे मंदिर के बारे में बताते जा रहे हैं।

मंदिर में आधे गणेश और आधे हनुमान की मूर्ति

बता दें कि मध्य कैलाश मंदिर अपनी अनोखी प्रतिमा के लिए काफी ज्यादा फेमस है। यहाँ मंदिर में स्थापित आधे गणेश और आधे हनुमान जी की मूर्ति को आद्यंत प्रभु के रूप में जाना जाता है।



जोकि भगवान श्रीगणेश और हनुमान जी के रूप में विलीन है।

प्रतिमा के दहिने ओर गणेश और बाईं ओर हनुमान जी की मूर्ति है। मंदिर में एक दूर-दूर से मध्य कैलाश स्थापित आद्यंत प्रभु का साल 1994 में

कुंभाभिषेकम पूरा हुआ। तब से लेकर आज तक दुनिया भर से लोग आद्यंत प्रभु

की अद्भुत और अनोखी प्रतिमा को देखने और हनुमान जी की मूर्ति है। मंदिर में एक दूर-दूर से मध्य कैलाश स्थापित आद्यंत प्रभु का साल 1994 में

कुंभाभिषेकम पूरा हुआ। तब से लेकर आज तक दुनिया भर से लोग आद्यंत प्रभु

की अद्भुत और अनोखी प्रतिमा को देखने और हनुमान जी की मूर्ति है। मंदिर में एक दूर-दूर से मध्य कैलाश स्थापित आद्यंत प्रभु का साल 1994 में

मंदिर से जुड़ा रोचक तथ्य

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मंदिर के ही एक अधिकारी को इस रूप के दर्शन हुए थे। जिसके बाद इस प्रतिमा की रचना

की गई थी। आद्यंत प्रभु की आरती के लिए कपूर जलाया जाता है और दोपहर को पुजारी मूर्ति का स्नान कराते हैं और गीले कपड़ों में ही अनुष्ठान शुरूकर देते हैं।

आद्यंत प्रभु के नाम का अर्थ

आद्यंत प्रभु के नाम का अर्थ है, जिनका न तो उद्गम है और न ही कोई अंत है। हिंदू शास्त्रों और पुराणों में हनुमान जी को चिरंजीवी बताया गया है, जबकि भोलेनाथ और मां पार्वती के पुत्र श्री गणेश का जन्म दो बार हुआ था। बता दें कि इस अनोखे मंदिर में आधे हनुमान और आधे गणेश जी की मूर्ति स्थापित है, जिनको रुद्र का रूप भी कहा जाता है।

वहीं मंदिर के मुख्य देवता के रूप में भगवान शिव, वेंकट आनंद विनायकर, भगवान विष्णु और भगवान सूर्य का भी मंदिर है। यह मंदिर भक्तों के लिए खास महत्व रखता है।

मेट्रो रज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवायों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 73699017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028
website : **www**

न्यूज़ IN ब्रीफ

ससमय सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित जनगणना सुनिश्चित करने पर दिया गया जोर



साहिबगंज : जनगणना-2027 के सफल, सुचारू एवं प्रभावी संचालन की तैयारियों को लेकर आज कार्यालय प्रकोष्ठ में अपर समाहता श्री विजय कुमार की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए इसकी तैयारियों को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।बैठक के दौरान अपर समाहता श्री विजय कुमार ने उपस्थित पदाधिकारियों को जनगणना-2027 से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, सॉपे गए दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने तथा कार्यों को समयबद्ध तरीके से संपादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विशेष ध्यान देने की बात कही।बैठक में जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्री अनिल कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद साहिबगंज श्री अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

सिंदूर खेला में छलकी आस्था, नम आंखों से मां दुर्गा को दी गई विदाई



साहिबगंज : विजयादशमी के अवसर पर गुरुवार को नेताजी सुभाष कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति के पूजा पंडालों में मां दुर्गा की विदाई के दौरान आस्था,उल्लास और भावुकता का अनूठा संगम देखने को मिला।जहां मां दुर्गा की विदाई से पहले सुहागिन महिलाओं ने पापपरिक सिंदूर खेला की रस्म निभाई।इस दौरान पूरा माहौल भक्तिमय हो गया और महिलाओं ने मां दुर्गा से अपने परिवार की सुख-समृद्धि,खुशहाली और अखंड सौभाग्य की कामना की।उधर सिंदूर खेला की परंपरा के तहत सुहागिन महिलाओं ने सबसे पहले मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित कर उनका आशीर्वाद लिया।इसके बाद एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर सुहाग की लंबी उम्र,परिवार की मंगलकामना और जीवन में सुख-शांति की प्रार्थना की। वहीं महिलाओं के चेहरों पर उत्सव की खुशी झलक रही थी.लेकिन मां दुर्गा की विदाई की घड़ी करीब आते ही वातावरण भावुक हो उठा।वही नेताजी सुभाष कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष जयंत गुहा ने बताया कि विसर्जन जुलूस में पुरुषों से अधिक महिलाओं की भीड़ रहती है जहां सभी महिलाएं ढोल नगाड़े की धुन पर भक्ति गीतों के साथ नाचते गाते हुए गंगा नदी के किनारे मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करती है।मौके पर पूजा समिति क अध्यक्ष जयंत गुहा,सचिव अशोक कुमार,कोषाध्यक्ष चंदन राय,उत्तपल गुहा राय,रोहित कुमार राय रविंद्र नाथ चटर्जी,जनक गुहा,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण संपन्न होने पर अजय यादव ने जिला प्रशासन और जनता को दी बधाई

साहिबगंज : जिले में दुर्गा पूजा हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने पर साहिबगंज जिला कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष अजय कुमार यादव ने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, सभी पूजा समितियों और जिलेवासियों को बधाई दी है।उन्होंने कहा कि साहिबगंज में सभी धर्मों और संप्रदायों के लोग आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ पवं-त्योहार मनाते हैं।वही सामाजिक एकता जिले की विशिष्ट पहचान है।अजय यादव ने कहा कि दुर्गा पूजा का शांतिपूर्ण आयोजन प्रशासन, पुलिस,पूजा समितियों और आम जनता के सामूहिक सहयोग,बेहतर समन्वय तथा सामाजिक सौहार्द का परिणाम है।उन्होंने कहा कि समाज में कायम एकता,भाईचारे और सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कांग्रेस पार्टी सामाजिक समरसता,आपसी सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है और आगे भी इस दिशा में अपनी भूमिका निभाती रहेगी।

बरही में चार विद्यालयी योजनाओं का हुआ शिलान्यास-उद्घाटन

बरही : विधायक मनोज कुमार यादव ने गुरुवार को चार विद्यालयी योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इनमें तीन विद्यालयों में उन्नयन कार्यों का शिलान्यास तथा तिलैया बस्ती स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में निर्माण कार्यों का उद्घाटन शामिल है। पीएम श्री प्लस टू उच्च विद्यालय विजैया में जिला परिषद मद से 90 लाख रुपये की लागत से उन्नयन कार्य और 12।60 लाख रुपये से लैव निर्माण का शिलान्यास किया गया। उच्च विद्यालय कोल्हुआकला में डीएमएफटी मद से 1 करोड़ 72 लाख रुपये की लागत से उन्नयन कार्य शुरू कराने की पहल की गई। कोल्हुआकला पंचायत के उच्च विद्यालय में 46 लाख रुपये की लागत से उन्नयन कार्य का भी शिलान्यास किया गया। तिलैया बस्ती स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में पहले से कराए गए निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया गया। विधायक ने कहा कि बच्चों को शिक्षा और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उत्की प्राथमिकता है। शिक्षा क्षेत्र के विकास की नींव है। विद्यालयों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास जारी रहेगा। कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि मणिलाल यादव, मंगलदेव यादव, प्रधानाध्यापक मो। फारुख आलम, निर्मला पंडित, विजय शंकर पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक और स्थानीय लोग उपस्थित थे।

एंबुलेंस व्यवस्था दुरुस्त रखने, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं नियमित टीकाकरण के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर

गर्भवती महिलाओं की जाँच एवं सर्पदंश के उपचार के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश

पल्स पोलियो अभियान की सफलता एवं सभी पात्र लाभार्थियों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर विशेष बल

संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति, जिला टास्क फोर्स डीटीएफ और जिला आयुष्मान भारत की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं, स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने तथा लॉबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। समीक्षा के दौरान एंबुलेंस व्यवस्था, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, राष्ट्रीय निक्षय रोग उन्मूलन , नियमित टीकाकरण, राष्ट्रीय बाल

स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, तथा अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया।

एंबुलेंस व्यवस्था एवं आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएँ बैठक में 108 एंबुलेंस सेवा की उपलब्धता, संचालन एवं मरम्मत से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने खराब एंबुलेंस की मरम्मत शीघ्र पूर्ण कराने तथा सभी एंबुलेंस को कार्यशील स्थिति में रखने का निर्देश दिया। उन्होंने 108 एंबुलेंस सेवा की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने पर बल दिया। साथ ही, एंबुलेंस चालकों से संबंधित लॉबित मामलों का नियमानुसार निष्पादन करने एवं उनके कार्यों की नियमित समीक्षा करने का निर्देश दिया।सर्पदंश की घटनाओं में मरीजों को समय पर प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संबंधित स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में जरूरी चिकित्सा सुविधाओं एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया, ताकि मरीजों को समय पर उचित उपचार मिल सके।

मातृ-शिशु स्वास्थ्य और टीकाकरण की समीक्षा गर्भवती महिलाओं के प्रथम तिमाही में पंजीकरण, प्रसवपूर्व जाँच तथा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 44 यूनिट रक्त संग्रह



उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने की अपील की

संवाददाता

साहिबगंज : मानवता की सेवा, जनकल्याण एवं जरूरतमंद मरीजों की जीवन रक्षा के उद्देश्य से आज सिद्धो-कान्हू सभागार साहिबगंज में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 44 यूनिट रक्तदान किया। और सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदना का प्रेरणादायी संदेश दिया।इस अवसर पर

उपायुक्त श्री दीपक कुमार दूबे ने उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को रक्तदान के महत्व से अवगत कराते हुए कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की जीवनदान देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने सभी से नियमित अंतराल पर स्वेच्छ से रक्तदान करने तथा आमजनों को भी इस पुनीत कार्य के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करने की अपील की। शिविर में स्वास्थ्य विभाग, पहाड़िया कल्याण, समाज कल्याण, विभिन्न प्रखंडों, जेएसएलपीएस सहित अन्य विभागों के कर्मियों ने स्वेच्छ से रक्तदान कर इस मानवीय पहल को सफल बनाया।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सतीश चंद्रा, परियोजना निदेशक, आईटीडीए श्री संजय कुमार दास, सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

किसान समृद्धि योजना कृषि ऋण माफी योजना व डिजिटल क्राॅप सर्वे की प्रगति की समीक्षा

किसान समृद्धि योजना के तहत 391 सोलर पंप स्थापित, 382 का सत्यापन पूर्ण

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में कृषि आत्मा उद्यान एवं मत्स्य विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान समृद्धि योजना, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना एवं डिजिटल क्राॅप सर्वे की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लॉबित कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-

सीमा के भीतर लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।समीक्षा के दौरान बताया गया कि दिनांक 14 अक्टूबर 2026 तक किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत जिले में 407 किसानों का लक्ष्य निर्धारित है, जबकि 943 किसानों का पंजीकरण किया गया है। इनमें से 807 किसानों का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है तथा 136 किसानों का ई-केवाईसी लॉबित है। कुल 614 मामलों में अनुमोदन किया गया है। योजना के तहत 407 कायादेश निर्गत किए गए हैं जिनमें से 391 सोलर पंप स्थापित किए जा चुके हैं तथा 382 का सत्यापन पूर्ण हो गया है। उपायुक्त ने शेष प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा करने तथा योजना का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।जिले में कुल 20,094 ऋणी किसानों में से 13,760



उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने गंभीर एनीमिया से ग्रसित गर्भवती महिलाओं की पहचान, समुचित जाँच एवं उपचार पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त संस्थागत प्रसव, नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य तथा कम वजन वाले बच्चों से संबंधित सूचकांकों में सुधार लाने पर बल दिया गया।बैठक में बाल लिंगानुपात एवं जन्म के समय शिशुओं के वजन से संबंधित स्थिति पर भी चर्चा की गई। संबंधित पदाधिकारियों को स्वास्थ्य संबंधी आँकड़ों की नियमित निगरानी करने तथा जिन क्षेत्रों में उपलब्धि निर्धारित लक्ष्य से कम है, वहाँ आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया गया।नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान टीकाकरण से वंचित बच्चों एवं अन्य पात्र लाभार्थियों को चिह्नित कर उन्हें निर्धारित टीके उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। राजमहल क्षेत्र में टीकाकरण की उपलब्धि में सुधार लाने तथा निर्धारित टीकाकरण सत्रों का

नियमित आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, स्वास्थ्यकर्मियों को टीकाकरण कार्यक्रम की सतत निगरानी करने एवं शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों तक पहुँच सुनिश्चित करने को कहा गया।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मरीजों की पहचान, अधिसूचना एवं उपचार से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने बरहरवा सहित संबंधित क्षेत्रों में टीबी मरीजों की अधिसूचना की स्थिति में सुधार लाने तथा निजी चिकित्सकों के माध्यम से चिह्नित मरीजों का विवरण समय पर दर्ज कराने पर जोर दिया। उन्होंने लॉबित मामलों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने एवं कार्यक्रम के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का निर्देश दिया।

पल्स पोलियो अभियान की तैयारियाँ बैठक में आगामी पल्स पोलियो

एमजीआर रेल लाइन पर दर्दनाक हादसा, मालगाड़ी से गिरकर सीआईएसएफ हेड कांस्टेबल की मौत

कुंवरपुर-इमली चौक के समीप बुधवार देर रात हुई दुर्घटना

कोयला लदी मालगाड़ी पर ड्यूटी के दौरान गई जान. पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

संवाददाता

साहिबगंज/पटना : जिले के रांगा थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात एमजीआर रेल लाइन पर हुए हादसे में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआईएसएफ के एक हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। उधर मृतक जवान की पहचान 47 वर्षीय अशोक कुमार घड़ेई के रूप में हुई है। वह पश्चिम बंगाल के फरक्का स्थित सीआई एसएफ यूनिट एफएसटीपीपी में पदस्थापित थे। उधर यह हादसा कुंवरपुर और इमली चौक के बीच उस समय हुआ, जब वह ललमटिया से फरक्का एनटीपीसी जा रही कोयला लदी मालगाड़ी पर ड्यूटी कर रहे थे। वहीं इस घटना के बाद सीआईएसएफ के जवानों और अधिकारियों में शोक का माहौल है।

कोयला चोरी रोकने के लिए मालगाड़ी पर थी तैनाती प्राप्त जानकारी के अनुसार, ललमटिया से कोयला लेकर फरक्का एनटीपीसी जा रही मालगाड़ी पर कोयला चोरी रोकने के उद्देश्य से सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती की गई थी। जहां अशोक कुमार घड़ेई भी अपने अन्य सहकर्मियों के साथ ड्यूटी पर तैनात थे। बताया जाता है कि मालगाड़ी के संचालन के दौरान वैक्यूम संबंधी समस्या आने पर वह



उसे ठीक करने के लिए नीचे उतरे थे। इसी दौरान वह अचानक संतुलन खो बैठे और मालगाड़ी के नीचे गिर गए। जहां इस हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। वहीं उनकी जांच कट गई थी, जबकि सिर में भी गंभीर चोट लगी थी। उधर दुर्घटना इतनी गंभीर थी कि उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। एसपी के निर्देश पर मौके पर पहुंची रांगा थाना पुलिस उधर घटना की सूचना मिलने पर सीआईएसएफ के कमांडेंट ने साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह को मामले से अवगत कराया। इसके बाद एसपी के निर्देश पर रांगा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। जहां पुलिसकर्मी उन्हें बरहरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए राजमहल भेज दिया। वहीं

रांगा पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। ओडिशा के ढेंकनाल जिले के निवासी थे अशोक कुमार उधर मृतक के पिता का नाम आनंद चंद्र घड़ेई बताया गया है। जहां वह मूल रूप से ओडिशा के ढेंकनाल जिले में श्रीअरविंद नगर के समीप के निवासी थे। उधर घटना की जानकारी सीआईएसएफ के वरीय अधिकारियों और एनटीपीसी प्रबंधन को दे दी गई है। जहां हादसे की सूचना के बाद सीआईएसएफ और एनटीपीसी से जुड़े अधिकारियों में हलचल मच गई। वहीं घटनास्थल पर सीआईएसएफ के वरीय पदाधिकारियों और एनटीपीसी के अधिकारियों के पहुंचने की भी सूचना है।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है। उधर ड्यूटी के दौरान एक अनुभवी हेड कांस्टेबल की असामयिक मौत से सीआईएसएफ परिवार में शोक व्याप्त है।

के आधार पर पूरा करने तथा सर्वेक्षण एवं अनुमोदन की प्रक्रिया में तेजी लाते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को योजनाओं की नियमित निगरानी करने, प्रखंडवार प्रगति की समीक्षा करने तथा लॉबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी संबंधित पदाधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी सहित एटीएम एवं बीटीएम उपस्थित थे।

मोना अग्रवाल ने विश्व रिकॉर्ड के साथ जीता दूसरा स्वर्ण पदक, अवनी चौथे स्थान पर



आइची-नागोया। भारत की पैरा निशानेबाज मोना अग्रवाल ने पैरा एशियाई खेल-2026 में शुक्रवार को दूसरा स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। एक अन्य भारतीय अवनि लेखरा चौथे स्थान पर रहीं।

उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन एसएच-1 स्पर्धा के फाइनल में 357.5 अंक हासिल कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। चीन की झांग कुडिंग 353.7 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं और रजत पदक जीती। दक्षिण कोरिया की किम मियांग्ग ने 344.4 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

मोना ने स्वर्ण पदक जीतने के लिए चीन की झांग पर 3.8 अंक की बढ़त बनाई। इससे पहले वह खेलों के शुरूआती दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1

स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। उस स्पर्धा में उन्होंने 250 अंक हासिल कर एशियाई पैरा खेलों का रिकॉर्ड बनाया था और 2023 में हांगझोऊ में अवनी लेखरा के 249.6 अंक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा था।

इस स्पर्धा के फाइनल में भाग लेने वाली दूसरी भारतीय निशानेबाज अवनी लेखरा चौथे स्थान पर रहीं। वह प्रोन पोजिशन के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों में शामिल थीं, लेकिन स्टैंडिंग सीरीज में पिछड़ने के कारण पदक से चूक गईं।

मोना की इस उपलब्धि से पैरा एशियाई खेलों में भारत के पदक अभियान को पजबूती मिली है। शुरूआती दिन 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-1 स्पर्धा में मोना और अवनी ने पहला और दूसरा स्थान हासिल कर भारत को दोहरी सफलता दिलाई थी।

श्रीलंका ने रचा इतिहास

430 रन का लक्ष्य हासिल कर इंग्लैंड को हराया

रावलपिंडी। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे ट्राई सीरीज के तीसरे मुकाबले में इतिहास रचते हुए 430 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ श्रीलंका ने वनडे क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज दर्ज किया। वहीं, यह वनडे इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान हैरी ब्रूक के दोहरे शतक की बदौलत 50 ओवर में चार विकेट पर 429 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका ने 49.5 ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

श्रीलंका की ऐतिहासिक जीत में पवन रतनायके ने 130 रन की शानदार पारी खेली। दसुन शनाका और अविष्का फर्नांडो ने 97-97 रन बनाकर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचाया। अंतिम ओवरों में जनिथ लियांगे ने नाबाद 61 रन की पारी खेलकर जीत पर मुहर लगाई। मैच का अंतिम ओवर बेहद रोमांचक रहा। श्रीलंका को आखिरी दो गेंदों पर जीत के लिए छह रन की जरूरत थी और उसके आठ विकेट गिर चुके थे। इंग्लैंड के गेंदबाज जोश टंग ने ओवर की पहली चार गेंदों पर सिर्फ दो रन दिए और दो विकेट लेकर मुकाबले को इंग्लैंड के पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। लेकिन लियांगे ने पांचवीं गेंद पर छक्का जड़कर श्रीलंका को यादगार जीत दिला दी। इस



तरह श्रीलंका ने एक गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने तीन और सैम करन ने दो विकेट चटकाए। जबकि जैमी ओवर्टन और लियांम डॉवसन को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने 116 गेंदों पर 202 रन की विस्फोटक पारी खेली। जबकि जो रूट ने 69 रन, विल जैक्स ने 66 नर और टॉम मैटन ने 50 रन का योगदान दिया। अंग्रेज बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन के दमपर इंग्लैंड ने 429 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। हालांकि, श्रीलंका के बल्लेबाजों के सामने यह

स्कोर भी कम पड़ गया। श्रीलंका के लिए दुनिथ वेलालागे ने दो विकेट अपने नाम किए। वहीं, असिथा फरनांडो और जनिथ लियांनगे ने एक-एक विकेट चटकाए। वनडे क्रिकेट में सबसे बड़े सफल रन चेज का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है। उसने 2006 में जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 435 रन का लक्ष्य हासिल किया था। श्रीलंका की 430 रन की उपलब्धि इस सूची में दूसरे स्थान पर है। इसके बाद भारत का नंबर आता है, जिसने सितंबर 2026 में गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था।

टॉम क्रूज ने बताया फिल्मों के पीछे का असली मकसद

‘मैं पैसे के लिए फिल्ममें नहीं बनाता’

हॉलीवुड स्टार टॉम क्रूज इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म ‘डिगर’ को लेकर चर्चाओं में है। फिल्म के प्रमोशन के लिए हाल ही में वह जापान के टोक्यो में गए और फिल्ममेकर एलेजांद्रो इनारितु के साथ मिलकर अपनी फिल्म पेश की। इस दौरान उन्होंने जापान के लोगों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि इस देश में आना और यहां के लोगों से इतना प्यार मिलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। टॉम क्रूज ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जापान के साथ अपने जुड़ाव और फिल्मों के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते नजर आए। वीडियो में उन्होंने कहा, ‘‘बचपन में मेरा सपना दुनिया देखने का था। मैं यह देश पहली बार कब आया था, इसे कभी नहीं भूल सकता। यहां की संस्कृति, कला और इतिहास से प्यार हो जाना स्वाभाविक है।’’ उन्होंने आगे कहा, ‘‘आज का दिन मेरे लिए बेहद खास है। मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं अपना सपना जी रहा हूं और आपके लिए फिल्में बना पा रहा हूं। यह मेरे लिए बहुत खास है। मैं पैसे के लिए फिल्में नहीं बनाता। मैं ऐसा इसलिए करता हूं, क्योंकि मुझे लोगों, जिंदगी और कला में दिलचस्पी है।’’

इनारितु कहते हैं, ‘‘टॉम क्रूज दुनिया के बेहतरीन एक्टरस में से एक है। उनके साथ काम करने के लिए मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं। फिल्म में बेहतरीन स्टारकास्ट है। एक स्टूडियो ने ऐसी फिल्म पर भरोसा जताया, जिसे बनाना काफी जोखिम भरा था।’’ इसके बाद टॉम वीडियो में आगे कहते हैं, ‘‘मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जिन्हें लंबे समय तक याद रखा जाए। दुनिया और जिंदगी बदलती रहती है, लेकिन कहानी कहने का तरीका अपनी जगह कायम रहता है। जापान में मिले प्यार के लिए मैं लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं। मुझे यहां से जाने के बाद इस जगह की याद आएगी।’’ इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए टॉम ने कैप्शन में लिखा, ‘‘जापान के शानदार लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस बार और इस खूबसूरत देश के मेरे ह्रदों को खास बनाया।’’



सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचीं अनाहत सिंह

रेडबुड सिटी। भारत की युवा स्ववैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार वापसी करते हुए सिलिकॉन वैली ओपन के क्वार्टर फाइनल में मिश्र की छठी वरीयता प्राप्त सलमा हानी को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड स्टार के सेमीफाइनल में जगह बना ली। विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज 18 वर्षीय अनाहत ने 42 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व की 14वें नंबर की खिलाड़ी हानी को 4-11, 11-8, 4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 1-2 से पिछड़ रही थीं, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इससे एक दिन पहले



उन्होंने मिश्र की विश्व नंबर तीन और आठ बार की विश्व चैंपियन नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम्स में हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अनाहत ने मुकाबले के बाद कहा कि उन्होंने पहले कभी हानी के खिलाफ नहीं खेला था और कोर्ट पर उतरने से पहले उन्हें अंदाजा नहीं था कि मुकाबला कैसा रहेगा।

उन्होंने कहा कि हानी पीएसए टूर की अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्होंने उन्हें कई बार खेलेते हुए देखा है। एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें लगा कि अच्छा खेलने पर वह किसी भी खिलाड़ी को चुनौती दे सकती हैं।

‘पहला प्यार दूसरी बार’ के पोस्टरस ने बढ़ाई दर्शकों की एक्साइटमेंट !

ल व फिल्मस ने छह नए चेहरों की जोड़ियों वाले शानदार पोस्टर रिलीज किए हैं, जिनमें फिल्म की मजेदार केमिस्ट्री, यंग एनर्जी और लोक से हटकर अंदाज देखने को मिल रहे है।

पहला प्यार दूसरी बार फिल्म के थिएट्रिकल रिलीज से पहले फिल्म को लेकर हर तरफ एक्साइटमेंट देखने मिल रही है, ऐसे में मेकर्स ने उत्साह को और बढ़ाते हुए कपल्स के कुछ क्वेकी पोस्टरस रिलीज किए हैं।

इन पोस्टरस में 6 नए एक्टरस के मस्ती भरे और ड्रैमेटिक यंग लव की झलक देखने मिल रही है। यह मच अक्टूबर 23 अक्टूबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में

फ्रेंडशिप, कॉमेडी, पहले क्रश, फ्रेंडशिप बॉन्ड और ट्विस्ट के साथ प्यार को मिलने वाले दूसरे मौके को दिखाया गया है। छह नए चेहरों स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लुथरा को पेश करती फिल्म को डेब्यूटेंट डायरेक्टर अनुज सैनी ने डायरेक्ट किया है, जबकि लव रंजन और अंकुर गंग द्वारा इसे को-प्रोड्यूस किया गया है। अब मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए सभी नए पोस्टरस में सभी एक्टरस की ऑन-स्क्रीन जोड़ियों को मस्तीभरे पोज, बोलड विजुअल इशारों और शरारत के एक अलग अंदाज के साथ जवानों के बेबाक रंग को पेश करते हुए दिखाया गया है।



आफिया ने ‘प्रेम कीटाणु’ से बॉलीवुड में किया डेब्यू

अब तेलुगु में जलवे बिखरने के लिए हुई तैयार

अभिनेत्री आफिया सैयद ने हाल ही में ‘प्रेम कीटाणु’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। इस रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म में सुहानी का किरदार निभाने के बाद आफिया एक और चुनौती के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही ‘एलियास रक्मिणी’ से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं, जिसमें वह निथिन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। टॉलीवुड में कदम रखने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए

अभिनेत्री ने कहा कि ‘एलियास रक्मिणी’ के साथ तेलुगु में डेब्यू करना किसी सपने जैसा लग रहा है। मुस्ली सर एक बेहतरीन विजनरी हैं, और वह तथा ‘युनानिमस प्रोडक्शंस’ की टीम सच में कुछ बहुत खास बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। ‘एलियास रक्मिणी’ को ‘नेचुरल स्टार’ नानी अपने प्रोडक्शन हाउस ‘युनानिमस प्रोडक्शंस’ के तहत प्रोड्यूस करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि निथिन के साथ काम करना और

नानी सर का प्रोड्यूसर होना, सच में बहुत बड़े सम्मान की बात है। हम इस फिल्म को पूरे दिल से बना रहे हैं और 4 दिसंबर को इसे दुनिया के सामने लाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। नानी और दीपि गंटा द्वारा प्रोड्यूस की गई और मुस्लीकांत देवसाथ द्वारा निर्देशित यह तेलुगु ड्रामा फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज हो सकती है। हाल ही में एक्ट्रेस रवीना टंडन ने ‘प्रेम कीटाणु’ के साथ इंडस्ट्री में कदम रखने पर आफिया सैयद की

तारीफ की और खुद को ‘सबसे गर्व करने वाली मौसी’ बताया। आफिया के समर्पण और दृढ़ संकल्प की तारीफ करते हुए रवीना ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा कि बधाई हो आफिया, ढेर सारा प्यार, आशीर्वाद और तुम्हारी दिल की हर इच्छा पूरी हो। मैंने तुम्हें अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से मेहनत करते देखा है। रास्ते में रुकावटें आईं, लेकिन तुमने कभी अपना फोकस नहीं खोया। अकेले, मजबूती से डटी रहें।

मनोज और दिव्या के साथ काम करना शानदार अनुभव रहा: निर्देशक बेन रेखी

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ के डायरेक्टर बेन रेखी ने मनोज बाजपेयी और दिव्या दत्ता के साथ काम करने का अपना अनुभव शेयर किया है। फिल्म के प्रमोशन के दौरान बेन ने मनोज बाजपेयी और दिव्या दत्ता के साथवात की। डायरेक्टर ने कहा कि इन दोनों एक्टरस को परफॉर्म करते और एक-दूसरे की एनर्जी को समझते हुए देखना उनके लिए बहुत शानदार अनुभव था, और अक्सर उनके लिए यह तय करना मुश्किल हो जाता था कि वे किसका कौन सा टेक इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि बेहतरीन एक्टरस की एक खूबी यह होती है कि वे सिर्फ दिखावे के लिए परफॉर्म नहीं करते, बल्कि वे दूसरे एक्टर की बात को गहराई से सुनते और समझते हैं। असल में बेहतरीन एक्टिंग का मतलब है रिएक्ट करना और जब

आप इन दोनों को साथ लाते हैं, तो उनमें एक गजब का सहजपन देखने को मिलता है।

हर टेक अलग होता है। वे एक-दूसरे को देखते हैं और संकेतों को समझते हैं। ‘ उन्होंने कहा, ‘यह बहुत इंटेंस (गहरा और असरदार) है। यह इसलिए इतना इंटेंस है, क्योंकि वे एक-दूसरे को बहुत लंबे समय से जानते हैं और दोस्ती का टूटना या धोखा मिलना, ये सब बहुत असली लगता है, लेकिन साथ ही दिल तोड़ने वाला भी होता है। जैसे एक सीन है जिसमें मनोज के किरदार को उसका एक सबसे अच्छा दोस्त धोखा देता है। और उस सीन में मनोज जो करते हैं, वह मुझे हर बार बहुत भावुक कर देता है क्योंकि आप अपनी आंखों के सामने एक जीवनभर की दोस्ती को टूटते हुए देखते हैं। उन्होंने कहा, ‘इसके बारे में सोचकर ही मैं भावुक हो जाता हूं, लेकिन यह वाकई दिल तोड़ने वाला है और यही इसकी ताकत है। यह बहुत अपना-सा लगता है।



राजस्थान : खादूश्याम के दर्शन कर लौटने के दौरान कार खाई में पलटी चार दोस्तों की मौत व दो गंभीर

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के आगरा निवासी चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी साथी दासा जिले के रायसर में खादूश्याम के दर्शन कर कार से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान कार का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे में अतुल, मुकुल, रूपेश और शिवा की मौत हो गई, जबकि राहुल और अर्पित गंभीर रूप से घायल हो गए।

सीओ रामकिशन विश्नोई ने बताया कि हादसा शुक्रवार सुबह



करीब 6 बजे रायसर थाना क्षेत्र में हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार तेज रफ्तार में जा रही थी। इसी दौरान अचानक

टायर फट गया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। बेकाबू कार सड़क से उतरकर खाई में गिर गई। दुर्घटना में चार

युवकों की जान चली गई।

हादसे में अतुल, मुकुल, रूपेश और शिवा की मौत हो गई। वहीं राहुल और अर्पित गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए निम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी युवक उत्तर प्रदेश के आगरा के रहने वाले थे और खादूश्यामजी मंदिर में दर्शन कर लौट रहे थे।

दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कार खाई में गिरने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में भी मशकत करनी पड़ी। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की।

असम के हाजो में तेल पाइपलाइन फटी, कच्चा तेल जमा करने के लिए खेतों में उमड़ी भीड़



कामरूप (असम)। असम के हाजो इलाके में तेल पाइपलाइन फटने के बाद गेटुआ गाँव में सैकड़ों लोग कच्चा तेल जमा करने के लिए खेतों में पहुँच गए। पाइपलाइन से निकला कच्चा तेल बड़े क्षेत्र में फैल गया, जिससे कृषि भूमि प्रभावित हुई। घटना के बाद आज सुबह आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग बाल्टी, डिब्बे और अन्य बर्तन लेकर मौके पर पहुंचे। खेतों में

फैले कच्चे तेल को जमा करने के लिए लोगों की भीड़ जुट गई। पाइपलाइन फटने से इलाके में असामान्य स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, पाइपलाइन किस कारण से फटी, इससे कितने क्षेत्र में नुकसान हुआ और तेल के रिसाव को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों ने क्या कदम उठाए, इसकी विस्तृत जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं हो सकी।

तकनीकी खराबी से एयर इंडिया विमान की हैदराबाद में इमरजेंसी लैंडिंग, 109 यात्री सुरक्षित



बाद पायलट को खराबी का पता चला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तत्काल एटीसी से संपर्क किया और आपात स्थिति की जानकारी दी। इसके बाद विमान को वापस हैदराबाद की ओर मोड़ने का फैसला लिया गया।

एटीसी के निदेशों और मार्गदर्शन के बीच पायलट ने विमान को सुरक्षित वापस लाने की प्रक्रिया पूरी की। कुछ ही देर बाद विमान की हैदराबाद एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई। विमान के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों और एयरपोर्ट अधिकारियों ने राहत की सांस ली। शुरूआती जानकारी के अनुसार, इस घटना

में किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है।

विमान के सुरक्षित उतरने के बाद तकनीकी विशेषज्ञों ने खराबी का पता लगाने के लिए उसकी जांच शुरू कर दी है। फिलहाल तकनीकी समस्या के सटीक कारणों का पता नहीं चल पाया है।

एयर इंडिया प्रबंधन की ओर से प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा व्यवस्था करने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, ताकि उन्हें मुंबई पहुंचने में होने वाली असुविधा को कम किया जा सके। इस घटना में राहत की सबसे बड़ी बात यह रही कि विमान में सवार सभी 109 यात्री सुरक्षित हैं।

सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव: आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में जन सुराज प्रत्याशी पर प्राथमिकी दर्ज



एजेंसी

सारण। बिहार विधान परिषद निर्वाचन-2026 के अंतर्गत तीन सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आया है। जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी आफक अहमद के विरुद्ध नगर थाना, छपरा में प्राथमिकी दर्ज कराई गई

है। प्राप्त सूचना के अनुसार कार्यपालक दंडाधिकारी सदर छपरा रविकान्त सिंह द्वारा 22 अक्टूबर की देर रात यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि जन सुराज पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर जारी एक पोस्ट में आफक अहमद के नाम से शिक्षकों को सातवां वेतनमान दिलाने और भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की गई थी।

सरार्फा बाजार में गिरावट जारी- 1,700 रुपये तक सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 5,000 तक लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना और चांदी की कीमत घटने का असर घरेलू सरार्फा बाजार में भी नजर आ रहा है। आज शुरूआती कारोबार के दौरान सरार्फा बाजार में इन दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में जबरदस्त गिरावट आई है। सोना आज 1,550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,700 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 5,000 रुपये प्रति 10 किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है।

कीमत में हुए बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,32,490 रुपये प्रति 10



ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सरार्फा बाजार में आज 2,24,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की

रिटेल कीमत 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट

सोने की कीमत 1,44,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सरार्फा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,44,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सरार्फा बाजार में भी आज सोना शुरूआती कारोबार के दौरान बड़ी कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सरार्फा बाजार में 22 कैरेट सोना 1,32,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव

मजबूत बढ़त गंवा कर लाल निशान में लुढ़के सेंसेक्स और निफ्टी

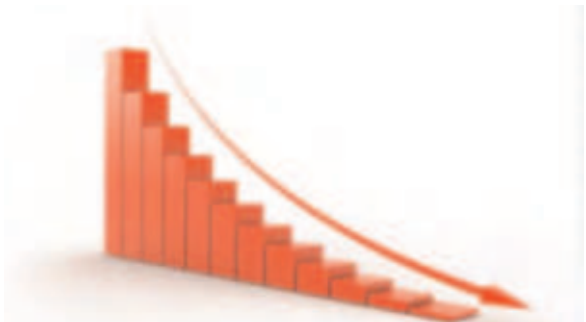
एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत बढ़त के साथ हरे निशान में हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये दोनों सूचकांक गिरते चले गए। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.58 प्रतिशत और निफ्टी 0.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 416.25 अंक यानी 0.57 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ

73,665.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही बाजार में उतार-चढ़ाव का दौर शुरू हो गया। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 73,766.51 अंक तक पहुंचा। आईसीआईसीआई बैंक और टीसीएस जैसे कुछ बड़े हैवीवेट शेयरों में आई तेजी से बाजार को सहारा मिला। हालांकि दूसरी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली होने के कारण सेंसेक्स

कुछ देर में ही अपनी पूरी बढ़त गंवा कर लाल निशान में आ गया। बिकवाली का दबाव बनने से यह सूचकांक लगातार गिरता चला गया।बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 423.14 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 72,826.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा था।



न्यूज़ IN ब्रीफ

किशोरगंज स्थित खाटू श्याम बाबा मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना



रांची : किशोरगंज में अवस्थित खाटू श्याम बाबा मंदिर में आज एकादशी के अवसर पर श्याम बाबा की विशेष पूजा अर्चना एवं आरती हुई इस अवसर पर काफी संख्या में भक्तों श्रद्धालु और लोग उपस्थित होकर श्याम बाबा के जमकर जय जय कारा लगाया विदित हो कि श्याम बाबा के मंदिर में यूं तो प्रतिदिन लोगों की भीड़ उमड़ती है किंतु एकादशी के दिन विशेष पूजा अर्चना के अवसर पर लोगों की उपस्थित देखते ही बनती हैं मंदिर के पुजारी शिव दुबे बताते हैं कि बाबा के शरण और चरण में आने वाले श्रद्धालुओं पर बाबा की असीम कृपा और आशीर्वाद हमेशा बनी रहती है बाबा के दरबार में आने वाले लोगों पर बाबा की असीम आशीर्वाद तथा कृपा बनी रहती है।

सरकार के डर से शिक्षक बिना पेस्ट कंट्रोल, छिड़काव कराये विद्यालयों में पढ़ाने को मजबूर?



बिहार: पटना और सारण जिले के दियारा का जो बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में विद्यालयों का संचालक बिना साफ सफाई के आरंभ कर दिया गया है, सरकार का सख्त आदेश है, का पालन शिक्षकों गण पालन करते हुए विद्यालयों का संचालन आरंभ कर दिये हैं, मगर किसी भी विद्यालयों में सफाई छिड़काव कार्यक्रम नहीं किया गया, जिससे विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को कभी भी भयंकर बीमारी का सामना करना पड़ सकता है, जिसका जिम्मेदारी सरकार की होगी, हाल ही में माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विद्यालयों की साफ सफाई कर के ही विद्यालयों को संचालित करना है !मगर धरातल कुछ ओर ही बया कर रही है, रहा सवाल शिक्षकों का वो तो आदेश का पालन करने को मजबूर हैं शिक्षकों को पता है कि बिना साफ सफाई के विद्यार्थियों को विद्यालयों में पढ़ना उनके और शिक्षकों के स्वास्थ्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है ? पर करे तो क्या करे, यह नजरा शाम के समय का है जब 70% जहाज शिक्षकों से ही भरे होते हैं !

26 अक्टूबर से पलामू से जयपुर के लिए चलेगी सीधी साप्ताहिक ट्रेन

मेदिनीनगर : पलामू प्रमंडल के रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। संतराघाछी से राजस्थान के खातीपुरा (जयपुर) के बीच नई साप्ताहिक ट्रेन का परिचालन 26 अक्टूबर से शुरू होगा। इस ट्रेन के ठहराव डाल्टनगंज, बरवाडीह, लातेहार, गढ़वा और जपला सहित कई स्टेशनों पर निर्धारित किए गए हैं। इससे पलामू के यात्रियों को जयपुर जाने के लिए दूसरे शहरों में ट्रेन बदलने की परेशानी से राहत मिलेगी।

यह ट्रेन पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश को राजस्थान से जोड़ेगी। नौकरी, कारोबार, शिक्षा, पर्यटन और धार्मिक यात्रा के लिए जयपुर जाने वाले यात्रियों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। रेलवे बोर्ड ने मई 2026 में ही इस ट्रेन को चलाने की घोषणा की थी, लेकिन विभिन्न रेलवे जोन के बीच समय-सारणी निर्धारित करने में देरी के कारण परिचालन शुरू नहीं हो सका था। अब 26 अक्टूबर से ट्रेन चलने की तिथि पय होने के बाद यात्रियों का इंतजार समाप्त होने जा रहा है। यात्रियों को यात्रा से पहले रेलवे की आधिकारिक समय-सारणी और टिकट उपलब्धता की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

उपायुक्त ने ईवीएम वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण



सिमडेगा : जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह ने जिले में स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, निगरानी तंत्र एवं अन्य आवश्यक प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता की जांच की। साथ ही सुरक्षा इंतजामों, निगरानी उपकरणों तथा निर्वाचन सामग्री से संबंधित अभिलेखों के संधारण की स्थिति की भी समीक्षा की। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा और रखरखाव के प्रति पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वेयरहाउस की निगरानी व्यवस्था हमेशा दुरुस्त रहनी चाहिए तथा सीसीटीवी कैमरों सहित सभी सुरक्षा उपकरणों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बैकअप व्यवस्था की भी हमेशा अद्यतन रखने पर जोर दिया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के प्रभावी संधारण के प्रति विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री पवन कुमार महतो उपस्थित रहे।

परिजनों से मिलकर जताई संवेदना, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का दिया भरोसा

मेट्रोरेज संवाददाता मेदिनीनगर : पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत बसना गांव में लापता महिला गीता देवी का शव धान के खेत से बरामद होने के मामले को पुलिस अधीक्षक, पलामू ने गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा मामले की समीक्षा की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने मृतका के परिजनों से मुलाकात

कर उन्हें सात्वना दी तथा इस दुखद घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच की जा रही है। घटना में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधि-सम्मत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

घटना का विवरण: नावाबाजार थाना क्षेत्र के बसना पंचायत निवासी शशि पासवान की पत्नी गीता देवी दुर्गा पूजा पंडाल से घर लौटने के दौरान लापता हो गई थीं। काफी खोजबीन के बाद महिला की तलाश के दौरान बसना गांव स्थित एक धान के खेत से उनका शव बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया पूरी की। महिला की मौत



के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अनुसंधान के आधार पर चलेगा। पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए निर्देश

कांड का अनुसंधान में अभी तक पुलिस द्वारा कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पृच्छाछ जारी है। घटनास्थल के निरीक्षण एवं कांड की समीक्षा के दौरान पुलिस

अधीक्षक ने संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच करने, उपलब्ध साक्ष्यों का वैज्ञानिक तरीके से संकलन करने

तथा संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में आवश्यक जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कांड का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित करने और दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा जांच के निष्कष6ों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषियों को कानून के दायरे में लाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा। पलामू पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि घटना से संबंधित किसी भी प्रकार की विश्वसनीय जानकारी होने पर पुलिस को उपलब्ध कराएं, ताकि अनुसंधान में सहायता मिल सके।

श्री श्री छट पूजा समिति की नई कमेटी गठित, सुखराम उरांव बने संरक्षक

संवाददाता चक्रधरपुर, पश्चिमी सिंहभूम : चक्रधरपुर में श्री श्री छठ पूजा समिति-2026 की नई कमेटी का गठन किया गया है. समिति में विधायक सुखराम उरांव को संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है. समिति का उद्देश्य छठ महापर्व को श्रद्धा, भक्ति एवं आपसी सौहार्द के साथ संपन्न कराना तथा श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है. समिति के पदाधिकारियों की सूची के अनुसार, जितेंद्र लाल गुप्ता को अध्यक्ष, बंटी मिश्रा एवं कांता विश्वकर्मा को उपाध्यक्ष तथा चंदन विश्वकर्मा को सचिव बनाया गया है. वहीं सोनू गुप्ता, राकेश गुप्ता एवं राकेश मोदक को सह-सचिव की जिम्मेदारी दी गई है. कोषाध्यक्ष के रूप में गोपू विश्वकर्मा, उत्तम साव एवं भीम विश्वकर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है. वहीं अंकित गुप्ता एवं गौरव पोद्दार उप-कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं. मीडिया प्रभारी: पीयूष अग्रवाल एवं निखिल साव को मासिक प्रभारी बनाया गया है. कार्यकारिणी समिति: राजकुमार गुप्ता, राजेश चौधरी, रोशन मिश्रा, देवू मोदक, अमय विश्वकर्मा, रघुवीर



विश्वकर्मा, अमित गुप्ता एवं राहुल साव को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है. समिति के माध्यम से छठ महापर्व के आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों से सहयोग एवं सक्रिय भागीदारी की अपेक्षा की गई है. छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, पूजा की व्यवस्था तथा पर्व की गरिमा बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अवैध शराब के विरुद्ध छापामारी

सिमडेगा : जिला में अवैध शराब की रोकथाम के लिए लगातार जागरूकता एवं छापामारी अभियान चलाया जा रहा है, इसी क्रम में पिछले सप्ताह थाना/ओपी0 प्रभारी के नेतृत्व में विभिन्न थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया है। अभियान के दौरान दो सी पचहत्तर (275) किलोग्राम जावा महुआ एवं पांच (5) लीटर महुआ शराब विनष्ट किए गए हैं, और अवैध शराब बनाने के लिए उपयोग होने वाली भट्ठी को भी विनष्ट किया गया है। सिमडेगा की जनता से अनुरोध है कि, अवैध शराब की रोकथाम एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सिमडेगा पुलिस का सहयोग करें। अपने आस पास के लोगों को जागरूक करें और अवैध शराब बनाने और बिक्री करने से संबंधित कोई भी सूचना नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) के मोबाईल पर निश्चित रूप से दें।



बाकरपुर गांव में निःशुल्क नेत्र परामर्श एवं जांच केंद्र का शुभारंभ

मेट्रो रेज संध्या दैनिक की पहल, आर्थिक अभाव में अब नेत्र उपचार से वंचित नहीं रहेंगे जरूरतमंद मरीज

बिहार (मेट्रो रेज) : सारण एवं पटना जिले के दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में मेट्रो रेज संध्या दैनिक की ओर से एक सराहनीय पहल की गई है। इसी क्रम में अकौलीपुर पंचायत के बाकरपुर गांव में निःशुल्क नेत्र परामर्श एवं विस्तृत नेत्र जांच केंद्र का शुभारंभ किया गया है। इस केंद्र के शुरू होने से दीघवावा एवं दानापुर प्रखंड के दियारा क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को नेत्र संबंधी समस्याओं के लिए बेहतर परामर्श एवं उपचार संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले जरूरतमंद लोगों को उनके घर के समीप नेत्र संबंधी समस्याओं के लिए उचित चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना तथा आर्थिक परेशानियों के कारण इलाज से वंचित होने की

समस्या को कम करना है। लोगों के स्वास्थ्य और अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध है मेट्रो रेज मेट्रो रेज के चीफ एडिटर लाल दिवाकर ने इस पहल के संबंध में कहा कि मेट्रो रेज हमेशा से आम लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहा है। चाहे मामला लोगों के स्वास्थ्य का हो या उनके अधिकारों का, संस्थान की कोशिश रहती है कि जरूरतमंद लोगों तक यथासंभव सहायता पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले अनेक लोग नेत्र संबंधी समस्याओं को लेकर समय पर डॉक्टर से परामर्श नहीं ले पाते हैं। आर्थिक तंगी, अस्पतालों की दूरी, महंगी जांच और चिकित्सकीय परामर्श की फीस उनके लिए बड़ी बाधा बन जाती है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क नेत्र परामर्श एवं जांच केंद्र शुरू करने की पहल की गई है, ताकि लोगों को समय पर उचित सलाह मिल सके और वे अपनी आंखों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें।

वीडियो कॉल के माध्यम से भी मिलेगा चिकित्सकीय परामर्श इस पहल में बिहार के दानापुर स्थित सगुना मोड के एएसजी आई हॉस्पिटल का सहयोग लिया जा रहा है। उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, मरीजों को



वीडियो कॉल के माध्यम से नेत्र संबंधी समस्याओं पर चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। इस व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को प्रारंभिक परामर्श के लिए दूर-दराज के शहरों की यात्रा करने की परेशानी कम हो सकती है। आवश्यकता के अनुसार मरीजों को आगे की जांच और उपचार के लिए अस्पताल जाने की सलाह दी जा सकेगी। अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में मरीजों को पहले जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी गई है।

मनमाने ढंग से दवा लेने की प्रवृत्ति पर लगेगी रोक ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर देखा जाता है कि आंखों में जलन, लालिमा, दद, धुंधला दिखाई देने या अन्य परेशानियां होने पर कुछ लोग

चिकित्सक से परामर्श लेने के बजाय सीधे मेडिकल स्टोर से दवाएं लेकर इस्तेमाल करने लगते हैं। बिना उचित जांच के दवा का इस्तेमाल कई बार समस्या को गंभीर बना सकता है। ऐसे में निःशुल्क नेत्र परामर्श केंद्र लोगों को सही समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित करेगा। इससे नेत्र रोगों की समय पर पहचान और उचित उपचार की दिशा में मदद मिलने की उम्मीद है।

जांच में मिलेगी छूट, जरूरतमंदों को राहत देने का प्रयास मेट्रो रेज के चीफ एडिटर लाल दिवाकर ने बताया कि जिन मरीजों को नेत्र जांच की आवश्यकता होगी, उन्हें उपलब्ध व्यवस्था के अनुसार राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उनके अनुसार, कुछ जांचें निःशुल्क कराई जाएंगी,

जबकि अन्य जांचों पर 20 से 50 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध कराने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेज का प्रयास रहेगा कि जरूरतमंद मरीजों को उचित उपचार मिल सके और आर्थिक परेशानियों के कारण उन्हें इलाज में अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। हालांकि, जांच की उपलब्धता, छूट की शर्तों और पात्रता की जानकारी केंद्र पर प्राप्त करना उचित होगा। एएसजी अस्पताल प्रबंधन ने दिया सहयोग का आश्वासन एएसजी अस्पताल के प्रबंधक गौरव सिन्हा ने मेट्रो रेज के चीफ एडिटर लाल दिवाकर को नेत्र संबंधी सुविधाओं के लिए सहयोग का आश्वासन दिया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इस पहल के माध्यम से मरीजों को नेत्र परामर्श, जांच तथा आगे के

आवासीय उपयोग में रही गैरमज्रूआ भूमि की मानवीय आधार पर बंदोबस्ती तथा फर खतियान जल्द दिलवाने हेतु अनुरोध सहित अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। उपायुक्त ने सभी आवेदनों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को मामलों की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में अपर समाहर्ता श्री गिरिजा शंकर महतो उपस्थित रहे।



बकाया राशि का भुगतान हेतु आवेदन, झारखंड आंदोलनकारी पेंशन योजना के अंतर्गत पेंशन

भुगतान में विलंब से संबंधित आवेदन, जमीन की ऑनलाइन रसीद नहीं कटने, लंबे समय से